



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 20 दिसम्बर, 2004/29 अग्रहायण, 1926

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिसूचना

शिमला-2, 20 दिसम्बर, 2004

संख्या वि० स०- विधायन-गवर्नमेंट विल/1-59/2004.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली, 1973 के नियम 140 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश में धातियों तथा सामान पर कर लगाने का (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2004 (2004 का विधेयक संख्यांक 19) जो आज दिनांक 20 दिसम्बर,

2004 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो चुका है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में मुद्रित करने हेतु प्रेषित किया जाता है।

जे० आर० गाजटा,
सचिव ।

2004 का विधेयक संख्यांक 19.

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2004

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (1955 का 15) का और संशोधन करने के लिए विधेयक ।

भारत गणराज्य के पचपनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्न-लिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 2004 है ।

संक्षिप्त नाम ।

55 का

2. हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'मूल अधिनियम' निर्दिष्ट किया गया है) की धारा 3-ख की उप-धारा (1) में, "एक सौ पचास" शब्दों के स्थान पर, "दो सौ पचास" शब्द रखे जाएंगे ।

धारा 3-ख का संशोधन ।

3. मूल अधिनियम की धारा 21-क की उप-धारा (1) में "पूर्व प्रकाशन की शर्त के अधीन रहते हुए," शब्दों और चिह्न का लोप किया जाएगा ।

धारा 21-क का संशोधन ।

4. मूल अधिनियम की अनुसूची-2 के स्तम्भ (3) में शीर्षक "150 किलोमीटर के प्रत्येक स्लैब या उसके भाग के परिवहन के अतिरिक्त कर की दर" के स्थान पर "अतिरिक्त सामान कर की दर" शीर्षक रखा जाएगा ।

अनुसूची-2 का संशोधन ।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (1955 का 15) की धारा 3-ख के अधीन सड़क द्वारा वहन किए जा रहे विनिर्दिष्ट माल पर अतिरिक्त सामान कर उद्गृहीत किया जा रहा है, ऐसे कर को तीन स्लैब में अनुपाततः मापा जाता है अर्थात् (i) प्रथम 150 किलोमीटर, (ii) अगले 150 किलोमीटर, (iii) 300 किलोमीटर से ऊपर। राज्य के दूर-दराज के क्षेत्रों से सड़क द्वारा वहन किए गए माल पर कर के साम्यपूर्ण आधुनिक को सुनिश्चित करने की दृष्टि से दूरी की विद्यमान तीन स्लैब प्रणाली को तर्कसंगत बनाने तथा इसके स्थान पर दो स्लैब प्रणाली प्रतिस्थापित करने का विनिश्चय किया गया है। इसके अतिरिक्त यह भी विनिश्चय किया गया कि अनुसूची-2 में किसी भी प्रकार का संशोधन करने के लिए पूर्व प्रकाशन की अपेक्षा का भी लोप कर दिया जाए ताकि अनुसूची-2 में अतिरिक्त सामान कर की दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन तथा इसमें माल का किसी भी प्रकार का परिवर्धन तथा लोप बिना किसी विलम्ब के किया जा सके। इसलिए उपर्युक्त अधिनियम में संशोधन करना आवश्यक हो गया है।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

शिमला :

तारीख.....

रंगीला राम राव,
प्रभारी मन्त्री।

वित्तीय जापन

विधेयक का खण्ड 2 माल के वहन पर कर के परिमाण के लिए विद्यमान तीन स्लैबों को घटाकर दो स्लैब करने और 150 किलोमीटर की बनिधादी दूरी के पैरामीटर को 250 किलोमीटर तक बढ़ाने के लिए है। विधेयक के उपबन्धों के अधिनियमित होने पर राज्य में सीमान्त कमी होने की सम्भावना है जिसको परिभाषित नहीं किया जा सकता, परन्तु इसे प्रभावी प्रशासन द्वारा, कर के अपवंचन पर नियन्त्रण द्वारा तथा बेहतर कर अनुपालन द्वारा पूरा किए जाने की सम्भावना है।

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी जापन

—शून्य—

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिशें

[आबकारी एवं कराधान विभाग नस्ति सं० ई० एक्स० एन०-एफ० (6) 5/2004]

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2004 की विषय-वस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन उक्त विधेयक को विधान सभा में पुरःस्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करते हैं।

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2004

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (1955 का 15) का और संशोधन करने के लिए विधेयक।

रंगोला राम राव,
प्रभारी मन्त्री।

सुरेन्द्र सिंह ठाकुर,
सचिव (विधि)।

शिमला :
तारीख

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Bill No. 19 of 2004.

THE HIMACHAL PRADESH PASSENGERS AND GOODS
TAXATION (SECOND AMENDMENT) BILL, 2004

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

*Further to amend the Himachal Pradesh Passengers and Goods
Taxation Act, 1955 (Act No. 15 of 1955).*BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in
the Fifty-fifth Year of the Republic of India, as follows:—

Short title.

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Passengers and
Goods Taxation (Second Amendment) Act, 2004.Amendment
of section
3-B.2. In section 3-B of the Himachal Pradesh Passengers and Goods
Taxation Act, 1955 (hereinafter referred to as the 'principal Act'),
in sub-section (1), for the words, "one hundred and fifty", the
words "two hundred and fifty" shall be substituted.

15 of 1955

Amendment
of section
21-A.3. In section 21-A of the principal Act, in sub-section (1), the
words and sign "subject to previous publication," shall be omitted.Amendment
of Schedule-
II.4. In Schedule-II to the principal Act, in column 3 for the
heading "Rate of additional tax for transportation of goods for every
slab of 150 kilometres or part thereof", the heading "Rate of additional
goods tax" shall be substituted.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

Under section 3-B of the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation Act, 1955 (Act No. 15 of 1955) additional goods tax is levied on specified goods carried by road. Such tax is measured rateably for three slabs, namely (i) first 150 kilometres, (ii) next 150 kilometres and (iii) above 300 kilometres. With a view to ensuring equitable incidence of tax on goods transported by road to and from far-flung areas of the State, it has been decided to rationalize and replace the existing three slabs system of distances by a system of two slabs. Besides, it has also been decided to omit the requirement of previous publication for making any amendment in Schedule-II, so that any change in rate of additional goods tax and any addition or deletion of goods in Schedule-II is made without any delay. This has necessitated amendment in the Act *ibid*.

This Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

RANGILA RAM RAO,
Minister-in-charge.

SHIMLA :

The.....2004.

FINANCIAL MEMORANDUM

Clause 2 of the Bill seeks to reduce the existing three slabs for measuring tax on carriage of goods to two and to enhance the basic distance parametre of 150 kilometres to 250 kilometres. The Bill if enacted, is likely to marginally reduce the income which cannot be quantified, but the same is likely to be made good by way of effective administration, curbing evasion of tax and better tax compliance.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

-NIL-

RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207 OF THE CONSTITUTION OF INDIA

[Excise and Taxation Department File No. EXN-F (6) 5/2004]

The Governor of Himachal Pradesh after having been informed of the subject matter of the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation (Second Amendment) Bill, 2004, recommends under Article 207 of the Constitution of India the introduction and consideration of the Bill in the Legislative Assembly.

**THE HIMACHAL PRADESH PASSENGERS AND GOODS TAXATION
(SECOND AMENDMENT) BILL, 2004**

A

BILL

further to amend the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation Act, 1955 (Act No. 15 of 1955).

RANGILA RAM RAO,
Minister-in-charge.

SURINDER SINGH THAKUR,
Secretary (Law).

§ SHIMLA :

The.....2004.